# टेक्नोलाजी का गलत प्रयोग रोकने को करने होंगे प्रयास

- यूटीयू में आयोजित सम्मेलन में बोले तकनीकी शिक्षा मंत्री
- कहा, टेक्नोलाजी के गलत प्रयोग रोकने की जरूरत है

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि परिसर में नए छात्रावास भवन का भूमि पूजन करते तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल, विवि के कुलपति प्रो ओंकार सिंह व अन्य • साभार- विवि

जागरण संवाददाता, देहरादून : तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने छात्रों से कहा कि विकसित भारत-2047 के सपनों को पूरा करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। टेक्नोलाजी का सही दिशा में इस्तेमाल हो, इस पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे कि टेक्नोलाजी के गलत प्रयोग को कैसे रोका जाय।

यह बात उन्होंने शनिवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के आडिटोरियम में भारत को आत्मनिर्भर, स्वस्थ और समृद्ध वैश्विक लीडर के रूप में विकसित बनाने के लिए विकसित भारत 2047 विषय पर आयोजित सम्मेलन में कही। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर सुद्धोवाला स्थित यूटीयू में आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन से पहले विभागीय मंत्री ने विवि परिसर में 10 करोड़ की लागत से 124 क्षमता वाले महिला छात्रावास एवं टाइप-3 के चार आवास भवन निर्माण का भूमि पूजन किया।

विभागीय मंत्री ने निर्माणाधीन विवि के शैक्षणिक भवन को 27 जनवरी 2025 से पूर्व तैयार किए जाने के भी निर्देश कार्यदायी संस्था को दिए। उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों के तापमान में पिछले कुछ वर्षों में बढ़ोतरी हुई है, जो कि पूरे देश के औसत तापमान से ज्यादा है।

ग्लोबल वार्मिंग पर हम सभी को ध्यान देने की आवश्यकता है।यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि विवि की ओर से आयोजित इस सम्मेलन के निश्चित रूप से भविष्य में सुखद परिणाम निकलेंगे। कहा आज परिसर में महिला छात्रावास और टाइप-3 के आवासों के निर्माण कार्यों की शुरूआत हुई है।

विवि अपने आवासीय स्वरूप में भी परिवर्तित होगा, जिससे विवि के अकादमिक स्तर में और सुधार देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. सत्येंद्र सिंह ने भी संबोधित किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक बिक्रम सिंह जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डा. विनय कुमार पटेल, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक डा. मनोज कुमार पांडा, शिक्षक, छात्र और कर्मचारी उपस्थित रहे।

## इन शिक्षाविदों ने भी रखे विचार

सम्मेलन में उत्तराखंड संस्कृत विवि की पूर्व कुलपति सुधा रानी पांडे, स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले पद्मश्री डा. बीकेएस संजय, भारतीय सेना में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून के पूर्व कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) जेएस नेगी, इलाहबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस महबूब अली व स्पेंडम ईसीजी आफ सनफाक्स टेक्नोलाजी के संस्थापक रजत जैन ने भी विचार रखे।